पंतनगर विष्वविद्यालय एवं एरीज के मध्य अनुबंध

पंतनगर। 8 मई, 2010। विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आज पंतनगर विष्वविद्यालय एवं आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीटयूट ऑफ ऑबजर्वेसनल सांइसेस, नैनीताल (एरीज) के मध्य एक पांच वर्षीय अनुबंध (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किये गये। पंतनगर विष्वविद्यालय की तरफ से अर्थ नियंत्रक, श्रीमती अमिता जोषी तथा एरीज की तरफ से डा. इन्द्रनील चट्टोपाध्याय ने कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट की उपस्थिति में एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर अधिष्ठाता मानविकी महाविद्यालय, डा. बी.आर.के. गुप्ता, अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डा. के.के. सिंह तथा निदेषक संचार, डा. बी. कुमार भी उपस्थित थे।

कुलपति डा. बिष्ट ने इस अनुबंध के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत विष्वविद्यालय में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों, यथा पुष्पोत्पादन, मात्स्यिकी, वानिकी, सस्य विज्ञान, पादप संरक्षण, पादप कायिकी, जैव भौतिकी, पर्यावरण विज्ञान कृषि मौसम विज्ञान, रसायन विज्ञान आदि क्षेत्रों में चल रहे अनुसंधान कार्यों में एरीज, नैनीताल द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले आंकड़ों से काफी मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त विष्वविद्यालय एवं एरीज के संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों एवं छात्रों का आवष्यकतानुसार एक–दूसरे के संस्थानों में भ्रमण करने एवं पुस्तकालय से जानकारी प्राप्त करने में तथा छात्रों को उच्च षिक्षण पाठ्यक्रमों में डिग्री प्राप्त करने में सुविधा प्राप्त होगी। कुलपति ने आषा व्यक्त करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म नियोजन के क्षेत्र में उपयोग की अनन्य संभावनायें है। उन्होंने बताया कि इस अनुबंध से विष्वविद्यालय के खाद्यान्न सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रमुख उद्देष्य को पूरा करने में निष्चित रूप से मदद मिलेगी।

इस अवसर पर जैव भौतिकी विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा. के.पी. सिंह ने बताया कि चूँकि नैनीताल स्थित एरीज संस्थान और पंतनगर की समुद्र तल से ऊँचाई एवं भौगोलिक स्थिति में काफी अंतर है। इस कारण एरीज स्थित अत्याधुनिक यंत्रों से लिए गये वातावरणीय प्रेक्षणों की पंतनगर में चल रहे शोध कार्यों में महत्वपूर्ण उपयोगिता होगी। उन्होंने बताया कि विष्वविद्यालय द्वारा एरीज संस्थान से विगत 3 वर्षों से विभिन्न शोध कार्यों में अनौपचारिक मदद ली जा रही है। इस अनुबंध के तहत एरीज और विष्वविद्यालय के मध्य विभिन्न शोध कार्यों में सक्रिय सहयोग हो सकेगा।

ईमेल चित्र सं.–1. अनुबंध पर हस्ताक्षर के पष्चात कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट (मध्य में) के साथ हस्ताक्षरकर्ता वित्त नियंत्रक, श्रीमती अमिता जोषी एवं डा. नील चन्द्र चट्टोपाध्याय एवं अन्य अधिकारी